CBSE Class–3 Hindi

NCERT Solutions

रम झम पाठ- 8. बंदर-बाँट

लड़ाई-झगड़ा

न **1. दोन ििब य केबीच झगड़ेक जड़ या थी? *उनकेझगड़ेका हल कैसेिनकाला गया?**

उ र- दोन ििब य केबीच झगड़ेक जड़ एक रोटी थी| दोन उस पर अपना-अपना अ धकार बताकर आपस म झगड़ रही थ

| झगड़ेका हल बंदर नेपूरी रोटी को खाकर िनकाला| बंदर केपूरी रोटी खानेकेबाद, न रोटी बची और, न ही दोन ििब य के झगड़ेका कारण बचा |

न 2. तुमिकस-िकस केसाथ अकसर झगड़तेहो?

उ र- हम अकसर अपनेसेछोट औरअपनेिम केसाथ झगड़तेह|

***झगड़तेसमय तुम या- या करतेहो?**

उ **र-** झगड़तेसमय हम एक-दसरूेक खानेक चीजेछीनतेह| खलौनेझपटतेह| एक-दसरूेकेबाल भी पकड़ लेतेह, कभी-कभी एक दसरूेको मार भी देतेह|

न **3. जब तुमिकसी सेझगड़तेहो तो तुहारा फैसला कौन करवाता है?**

उ **र-** जब हम झगड़तेह तो हमारा फैसला म मी करवाती ह|ै

जूले

लेह मेएक-दसरूेसेिमलनेपर एक - दसरूेको जूलेकहतेह| दोन ििब याँएक-दसरूेको नम तेकहती है| न 1. तुमइन लोग सेिमलनेपर या कहती हो?

***तुहारी सहेली/दो त**

उ **र-** सहेली/दो त सेगुडमॉिनग, हाय हलोै कहतेह|

***तुहारेिश क**

उ **र-** िश क सेनम तेअथवा गुडमॉिनग कहतेह|

***तुहारी दादी/नानी**

उ **र-** दादी/नानी सेराम - राम , या चरण पश कहतेह|

***तुहारेबड़ेभाई/बहन**

उ र- बड़ेभाई/बहन सेनम तेया गुडमॉिनग कहतेह|

न 2. अब पता लगाओ तुहारेसाथी क ा म िकतनेअलग - अलग तरीक सेनम तेकहतेह?

उ **र-** क ा म हमारेसाथ ही कई तरीक सेनम तेकहतेह-

(1) गुडमॉिनग, (2) हाय हेलो, (3) राम-राम (4) णाम, (5) नम ते,

तुह या लगता है?

न 1. अगर बंदर बीच म नह आता तो तुहारी राय म रोटी िकस िब ी को िमलनी चािहए थी?

उ **र-** अगर बंदर बीच म नह आता तो हमारी राय म रोटी काली िब ी को िमलनी चािहए थी|

न 2. बंदर नेिबि य सेयह सवाल य पूछा होगा िक उ ह नेरोटी

* **एक आँख सेदेखी थी या दोन आँख से?**

* **एक टाँगसेझपटी थी या दोन टाँगसे?**

उ र- बंदर नेयेसवाल िबि य को मूखबनानेके लए पूछेह गे| दसराू वह भी हो सकता हैिक उसनेिबि य को यह िव वास िदलानेके लए सवाल पूछा हो क वह ठीक याय करेगा|

बंदर-बाँट

न 1. कहानी का शीषक बंदर बाँट य है?

उ **र-** कहानी का शीषक बंदर-बाँटइस लए है य िक कहानी म बंदर रोटी का बँटवारा करता ह|ै

न 2. तुमनाटक को या नाम देना चाहोगी?

उ **र-** म नाटक को िबि य क मूखता नाम देना चाहँगी|

न 3. जो शीषक तुमनेिदया, उसेसोचनेका कारण बताओ|

उ **र-** यह शीषक सोचनेका कारण यह हैिक दोन िबि य केलड़नेकेकारण बंदर को रोटी खानेका मौका िमल गया और दोन िबि य को अपनी लड़ाई का फल िमल गया| जस कारण उ ह रोटी सेहाथ धोना पड़ा|

माप-तोल

न- बंदर नेरोटी बराबर बाँटनेके लए तराजूका इ तेमाल िकया| तराजूका इ तेमाल चीज को तोलनेके लए करतेह|

पा पुतक पृ 70 पर दी गई चीज म सेिकन चीज को तोलकर ख़रीदा जाता है|

उ **र-** तरबूज,चावल, ना रयल, सतरां|

न- तोलतेव एक पलड़ेम तोली जानेवाली चीज़ रखी जाती हैऔर दसरेूम तोलनेके लए बाट| बाट िकस धातुया चीज़ का बना होता है?

उ **र-** बाट लोहे,पीतल, स वर, ताँबेआिद धातुओंकेबनेहोतेह|

न- बाट तोली जानेवाली चीज़ का वज़न बताता है| वज़न िकलो ाम या ाम म बताया जाता है| पता करो बाज़ार म िकतने िकलो ाम या ाम केब ेिमलतेह| (फल वाले,स ज़ी वालेया परचूनक दकानु सेपता कर सकतेहो|)

उ **र-** 50 िकलो, 2 िकलो, 1 िकलो, 500 ाम, 250 ाम, 100 ाम, 50 ाम, 20 ाम, 10 ाम, 10 िकलो|

वाह! या खशबुु है!

िबि य को रोटी क महक आ रही थी| न- तुह िकन -

िकन चीज़ो केपकनेक महक अ छी लगती है?

उ **र-** हम हलवा, स जी, जलेबी, चावल आिद चीज केपकनेक महक अ छी लगती ह|ै

न- और िकन - िकन चीज क महक आती हैजो खानेसेजुड़ी नह होती है,जैसे-साबुनक सुगधं, जूतेक पॉ लसी गधं आिद| उ र- िफनाइल क गधं, िम ी केतेल क गधं, गैस क दगुध, पाउडर क सुगधं, म क सुगधं, फूल क सुगधं|

आगे-पीछे

मुझेमहक रोटी क आती!

इस वा य को इस तरह लख सकतेह-

मुझेरोटी क महक आती|

तुमभी इसी तरह केनीचेिदए वा य केश द को आगे-पीछेकरके लखो-*उसी खोज म म िनकली

उ **र-** म भी उसी खोज म िनकली|

***रखी मेज़ पर हैवो रोटी|**

उ **र-** वो रोटी मेज पर रखी ह|ै

***डरती थी उस तक जानेम|**

उ **र-** उस तक जानेम डरती थी|

***म लेजानेतुझेनह दँगीू|**

उ **र-** तुझेम लेजानेनह दँगीू|

***जो पहलेदेखेउसका हक उसका हैरोटी पर|**

उ **र-** उसका हैरोटी पर हक जो पहलेदेखे|

एक और बँटवारा

न- अगलेिदन दोन िबि य को एक तरबूज़िमला| दोन सोचनेलगी, इस तरबूजको कैसेबाँटा जाए तभी िफर सेबंदर आ

गया| आगे या हआ होगा?

उ र- बंदर नेकहा- तुमदोन या सोच रही हो? चलो मेरेपीछे- पीछेम तरबूजको दोन म बाँटदँगाू, परतुंइस बार िबि याँ चौक ी थी| वह उनक बात म नह आई| काली िब ी तुमअपना काम करो| हम अपनेआप बाँटलगे| तभी सफेद िब ी बोली िक तुमपहलेभी बँटवारा करनेकेनाम पर चालाक सेरोटी खा गए थे| अबक बार तुहारी दाल नह गलेगी| बेचारा बंदर उदास-सा मुँह बनाकर चला गया|